व्यर्थ के कारणों को अच्छी तरह समझें...!

ज्ञान का भंडार अपने पास हो

हमें अपने पर विजय पानी है। अब समय है... जो नये भी बाबा के बच्चे आ रहे हैं, उनको भी सीखना है कि व्यर्थ को जल्दी से जल्दी कम करें, खत्म करें। अपनी जाँच करें। देखो, व्यर्थ ऐसे खत्म नहीं होता कि मुझे व्यर्थ नहीं सोचना है, मुझे व्यर्थ को कंट्रोल करना है, ये तो सभी सोचते हैं। व्यर्थ खत्म होगा... लेकिन मुझे किस कारण से व्यर्थ चलता है... उसको पकड़ लें ज़रा। किसी एक्सपेक्टेशन के कारण, कामना के कारण, किसी व्यर्थ की इच्छा के कारण, किसी अपने बुरे संस्कार के कारण, किसी के व्यवहार के कारण, काम गलत हो जाने के कारण, सफलता न मिलने के कारण और भी ऐसे बीस कारण हो सकते हैं। उस कारण का जब तक पता नहीं चलेगा तब तक हम व्यर्थ से बचेंगे नहीं। और कारण को जानकर हमें करना क्या है, उस एक चीज़ को खत्म करने के लिए, क्योंकि ऐसा नहीं है कि सबके पास बीस बातें हों। एक-दो बात ही होती हैं व्यर्थ की। बच्चा मानता नहीं है, बुरा व्यवहार करता है, इनसल्ट कर रहा है, पढ़ाई पर या काम पर ध्यान नहीं दे रहा है...। संकल्प चलते हैं बहुत।

अब इसमें ज्ञान की किन बातों का प्रयोग करें, वो ज्ञान का भंडार हमारे पास होना चाहिए। जिसकी हमने चर्चा की कि पच्चीस सुंदर प्वाइंट आप नोट करें और ऐसी परिस्थिति जिसमें हमारे व्यर्थ संकल्प ज़्यादातर दूसरों के कारण चल रहे हों, भले बच्चों के, परिवार के, ऐसे में उन्हें भी वायब्रेशन्स देकर ठीक किया जा सकता है और अपने को भी। क्योंकि ये चीज़ जबरदस्ती करने वाली नहीं है कि बच्चा आपकी बात मानेगा ही। वो भारतीय महान कल्चर अब लोप हो चुकी है। अब तो बच्चों की बात बड़ों को माननी पड़ रही है। खेल बदल गया है। इसलिए व्यर्थ को खत्म करने के लिए ज्ञान का बल, योग का बल, सोचने का तरीका बदलते चलें।

आपकी पवित्रता निगेटिविटी को समाप्त करेगी

हमारा एक-एक संकल्प, यदि वो निगेटिव है तो निगेटिव प्रभाव डालेगा। यदि वो पॉज़िटिव है तो बहुत जल्दी बातों को ठीक कर देगा। तो सभी को मुक्त होना है ईर्ष्या-द्वेष से। बाबा ने मुरलियों में कई बार कहा है, अपने को मुक्त करो तो मुक्तिधाम का गेट खुले। अपने को मुक्त करो तो तुम बहुतों को व्यर्थ से मुक्त कर पाओगे। हम विजयी बनें ईर्ष्या-द्वेष पर, नफरत और वैरभाव पर, तेरे और मेरे पर, व्यर्थ के छोटे-छोटे विचारों पर। हमें स्वयं को ये सब चीज़ें सोचनी हैं। उसपर बहुत अच्छा चिंतन करके, ज्ञान के बल से अपनी प्युरिटी को बढ़ाना है, नहीं तो क्या हो रहा है बहुतों के साथ, प्युरिटी बहुत अच्छी, लेकिन और बातों के कारण व्यर्थ संकल्पों के तूफान, मैं-मेरे के कारण, ईर्ष्या-द्वेष के कारण, परचिंतन-परदर्शन के कारण।

पवित्रता को शक्ति बनायें

पुराने अच्छे पुरुषार्थी भाई-बहनों ने तो ये बात अच्छी तरह जानी और समझी है, लेकिन नये भी जान लें, अगर प्युरिटी अपनाने के बाद व्यर्थ संकल्प किसी भी कारण से बहुत चलते हैं तो प्युरिटी भी कमज़ोर पड़ती है। प्युरिटी हमारी शक्ति नहीं बनेगी। प्युरिटी का तेज मस्तक पर नहीं आयेगा। प्युरिटी का प्रभाव परिवार पर दिखाई नहीं देगा। नहीं तो याद रखेंगे, जिस घर में एक पवित्र आत्मा हो, बहुत अच्छी पवित्र आत्मा, उनके पवित्र वायब्रेशन्स उनके पूरे घर के लिए बहुत बड़ा सहारा बन जाते हैं। तो गृहस्थ में रहने वाले सभी भाई-बहनें अपने समर्पण भाव को आगे बढ़ायें।

बाबा को परिवार का हेड बना लें

बाबा को भी साथ लें अपने परिवारों में। कभी बाबा ने सिखाया था बहुत पहले, बाबा को अपने परिवार का हेड बना लो। बाबा को हेड बनायेंगे तो सारे हेडेक खत्म हो जायेंगे। जो हेड होगा उसे ही न चिंता होगी परिवार की! तो सभी आज ही कर देंगे अभी, बाबा को परिवार का हेड। मैं हेड नहीं, मैं हेड होउंगा तो हेडेक मुझे होगी, बाबा को होने दो ना हेडेक! उसको होता ही नहीं। वो तो सारे संसार को पल भर में संभालने वाला है। तो हम मुरलियों का बहुत अच्छा चिंतन करेंगे। हमें याद रहे, भगवान के वचनों में वही वायब्रेशन्स चाहे वो सौ साल बाद सुने जायें सदा रहेंगे। आप लौकिक गीता की बात देख लो, उसमें तो गड़बड़ भी बहुत है, लेकिन उसको पढ़ने से भी मनुष्य के वायब्रेशन्स बहुत अलौकिक होने लगते हैं। केवल पढ़ने से!

यहाँ तो भगवान के डायरेक्ट महावाक्य हैं। उसके एक-एक शब्द के साथ उसके वायब्रेशन्स भी पूरी सभा में फैलते हैं। इसलिए ये मुरली भगवान की अपनी रूहों से रूह-रिहान है। ऐसे ही सुनेंगे। बाबा सामने बैठकर मुझ आत्मा से रूह-रिहान कर रहा है। बातें कर रहा है। ये सुख लेंगे बहुत। इस तरह बाबा की मुरलियाँ सुनते व पढ़ते वक्त बाबा से अंदर ही अंदर स्वयं को शक्तिशाली बनायेंगे। उनसे विजयश्री का तिलक लेंगे। अपने को किसी न किसी चिंता से, भय से, परेशानी से, व्यर्थ से, दुःखों से, जल्दी दुःखों की फीलिंग होने से मुक्त करेंगे।

सिरसागंज-उ.प्र.। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में सेवाकेन्द्र से निकाली गई आध्यात्मिक जन जागरण रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए फिरोज़ाबाद सांसद डॉ. चन्द्रसेन। साथ हैं ब्र.कु. गीतांजलि बहन, ब्र.कु. शशि बहन, जैनुलाब्दीन जी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

जयपुर-वैशाली नगर(राज.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत 86वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में राज्य मंत्री कारगिल हीरो राम सहाय बाजिया,राज्यस्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति,प्रदेशाध्यक्ष,प्रदेश भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति, राजेश यादव,प्रदेश कांग्रेस समिति के सचिव, अशोक शर्मा,ओएसडी,कृषि मंत्री, प्रवीण यादव,चेयरमैन,नगर पालिका एवं पार्षद, अक्षत खूंटेटा,क्षेत्रीय पार्षद, राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रकला दीदी तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

इंदौर-प्रेम नगर(म.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के अवसर पर 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा मानव से देवत्व की ओर' विषय पर आयोजित 'सर्वधर्म समागम' में आदित्य दीक्षित,पूर्व प्रदेश सह मीडिया प्रभारी,युवा मोर्चा, महंत श्री बालक दास जी महाराज,ब्रदीनाथ, झामनदास ओचानी,ट्रस्टी,स्वर्ण मंगल भवन,लाड़काना नगर, जोहर अली,प्रतिनिधि,बोहरा समाज, इंदौर प्रेमनगर पश्चिम क्षेत्र की मुख्य संचालिका ब्र.कु. शशि दीदी, ब्र.कु. मनीषा बहन, ब्र.कु. रेखा बहन, बहन मंजूषा जोहरी, ब्र.कु. शारदा बहन, ब्र.कु. यश्वनी बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

जयपुर-श्रीनिवास नगर(राज.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत 86वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में सीताराम अग्रवाल,निदेशक,राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉ.लि.,रिको, संतोष अग्रवाल,नगर निगम क्षेत्रीय पार्षद, कैलाश अग्रवाल,जनसेवक, मदन लाल शर्मा,उद्योगपति,शिवा बनियान, डॉ. पूनम गोयल,चाइल्ड स्पेशलिस्ट, डॉ. सुनील गुप्ता,आई स्पेशलिस्ट,डायरेक्टर,दृष्टि आई हॉस्पिटल, ब्रह्माकुमारीज़ अजमेर उपक्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. शांता दीदी, ब्र.कु. हेमा बहन, ब्र.कु. कविता बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

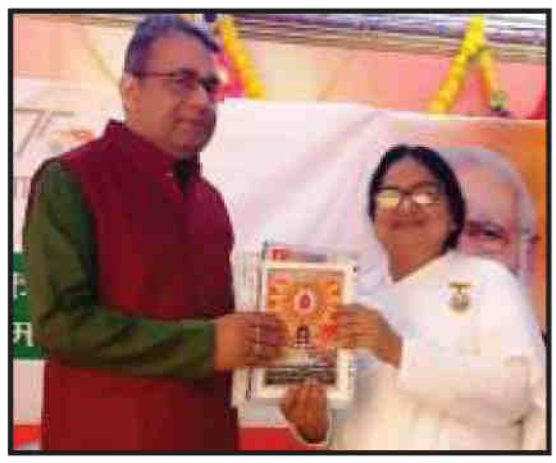

बिलासपुर-छ.ग.। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत आयोजित महाशिवरात्रि कार्यक्रम के दौरान रेलवे पुलिस उपनिरीक्षक भवानी शंकर नाथ को शिव संदेश देते हुए ब्र.कु. मंजू बहन।

राजकोट-अवधपुरी(गुज.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत 86वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर 'अलौकिक अमरनाथ शिव दर्शन और आध्यात्मिक प्रदर्शनी' के अवलोकन एवं परमात्मा शिव की आरती के पश्चात् समूह चित्र में क्विक रेसपॉन्स टीम के मेम्बर्स, दिनेश भाई ईगल ट्रैवल्स, ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. रमा बहन तथा अन्य।

घोघंबा-गुज.। महाशिवरात्र एवं आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शमशानगृह में स्थायी प्रदर्शनी लगाई गई। जिसके अवलोकन पश्चात् घोघंबा के नवनिर्वाचित सरपंच निलेशभाई वरीया, भाजपा प्रमुख गुणवंत सिंह, जिला पंचायत सदस्य भिखाभाई, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. क्षमा बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित हैं।

उदयपुर-राज.। डबोक एयरपोर्ट के पास स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र में शिवजयंती एवं आज़ादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट अतुल जी, जेके सीमेंट फैक्ट्री के डॉ. रामप्रकाश, ब्र.कु. रीटा दीदी, ब्र.कु. यश भाई, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कल्पना दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

पटना-बुद्धा कॉलोनी(बिहार)। महाशिवजयंती महोत्सव पर शिव ध्वजारोहण के साथ चैतन्य झाँकी और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर वार्ड काउंसलर रजनीकांत जी, डॉ. बृन्द, ब्र.कु. मृदुल बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. वंदना बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।